

3004

6

8. Critically examine the status of liberalization in services in India and the challenges that have plagued this process. Do you think by further liberalization and strategic use of the international negotiations in services India can leverage new opportunities created by the Covid-19 pandemic?

भारत में सेवाओं के उदारीकरण की स्थिति और इस प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का आलोचनात्मक परीक्षण करें। क्या आप मानते हैं कि सेवाओं में और अधिक उदारीकरण तथा अन्तरराष्ट्रीय समझौता वार्ता का रणनीतिक उपयोग से भारत कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न नए अवसरों से लाभ उठा सकता है?

(3200)

Morning 11/5/22

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3004

A

Unique Paper Code : 12271601

Name of the Paper : Indian Economy – II

Name of the Course : B.A. (H) Economics

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks **15** marks each.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. कोई पाँच प्रश्न हल कीजिए।
 3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक के लिए 15 अंक।
 4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
1. Critically examine the economic strategy of the current government to achieve back the lost growth. Discuss in this context the progress achieved in terms of building what Arvind Subramanian calls the "hardware and software of economic success".

खोई हुई वृद्धि को वापस पाने के लिए वर्तमान सरकार की आर्थिक रणनीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इस संदर्भ में अरविंद सुब्रमण्यम जिसे "आर्थिक सफलता का हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर" कहते हैं, के निर्माण में प्राप्त प्रगति की विवेचना करें।
 2. Discuss in detail the evolution of Indian trade policy since 1991, identifying both the significant progress made through reform and the areas where further progress is required.

aspects in the Indian context and suggest the ways by which the problems of food security and inequalities can be best tackled with.

कुछ अपरिवर्तनीय पहलू हैं जिन्हें किसी भी सरकार को कृषि नीति में किसी भी बदलाव को लागू करने से पहले ध्यान में रखना चाहिए। भारतीय संदर्भ में इन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करें और उन तरीकों को बताएँ जिनके द्वारा खाद्य सुरक्षा और असमानताओं की समस्याओं का सबसे अच्छा हल निकल सकता हो।

7. "Even after a quarter-century of market-oriented reforms, why did India fail to catch up with the Asian economies to cement its reputation as a successful industrial nation with rising manufactured exports?" Discuss.

"बजार-उन्मुख सुधारों की एक चौथाई सदी के बाद भी, भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ बढ़ते हुए निर्यात के संदर्भ में एक सफल औद्योगिक राष्ट्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करने में विफल क्यों रहा?" चर्चा करें।

सुधारों के माध्यम से हुए महत्वपूर्ण प्रगति और क्षेत्रों, जहाँ और प्रगति की आवश्यकता है कि पहचान करते हुए 1991 के बाद से भारतीय व्यापार नीति के विकास पर विस्तार से चर्चा करें।

3. "Abandoning export orientation is akin not just to killing the goose that has laid golden eggs. It is akin to killing the only goose that can lay eggs." Discuss this statement in the context of India's more recent inward orientation.

"निर्यात अनुकूलन को छोड़ना केवल उस हंस को मारने जैसा नहीं है जिसने सुनहरे अंडे दिए हैं। यह उस एकमात्र हंस को मारने जैसा है जो अंडे दे सकती है।" भारत के हाल के इनवार्ड ओरिएंटेशन के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

4. Discuss the trends in the Indian labour market. Do you think that reforms aimed at making the labour market more flexible will succeed in raising economic growth and generating more employment in India? Give reasons in support of your answer.

भारतीय श्रम बाजार की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए। क्या आपको लगता है कि श्रम बाजार को अधिक लचीला बनाने के उद्देश्य से किए गए सुधार भारत में आर्थिक विकास को बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने में सफल होंगे? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

5. The income earned by farmers from agricultural activities has seen low to high growth in different periods during the last three decades. In none of the periods do farmers' income or profitability of farming show any squeeze. Discuss the factors contributing to such trends.

पिछले तीन दशकों के दौरान विभिन्न अवधियों में कृषि गतिविधियों से किसानों द्वारा अर्जित आय में निम्न से उच्च वृद्धि देखी गई है। किसी भी अवधि में किसानों की आय या खेती की लाभप्रदता में कोई कमी नहीं दिखाई देती है। ऐसी प्रवृत्तियों में योगदान करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

6. There are a few non-negotiable aspects that any government should keep in mind before implementing any change in agrarian policy. Discuss in detail these